नव दुनिया
22/08/15

# दबंग ने शिक्षिकाओं को पीटा तो 23 बच्चों ने पढ़ाई छोड़ी

- पुलिस में शिकायत, जनसुनवाई में आवदेन फिर भी कार्रवाई नहीं
- स्कूल में बचे दो बच्चे और दो शिक्षिकाएं

**दीपक शर्मा » माखननगर**

स्कूल में दबंग का रोजाना उत्पात। महिला शिक्षकों से मारपीट। थाने में दो बार शिकायत। जनसुनवाई में भी आवेदन दिया। लेकिन उस दबंग का कुछ नहीं हुआ। दबंग के उत्पात से दो साल के अंदर स्कूल के 25 में से 23 छात्र-छात्राओं ने टीसी निकालकर पढ़ाई बंद कर दी है। स्कूल में पदस्थ दो शिक्षिकाएं और दो छात्र भी अब डरते हुए स्कूल पहुंच रहे हैं। अगर ऐसे ही हालात रहे तो वह दिन दूर नहीं जब गांव में स्कूल ही बंद हो जाएगा। खास बात यह है कि पुलिस, शिक्षा और प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हुआ है।

इसउपेक्षा का शिकार होकर होशंगाबाद जिले की नसीराबाद ग्राम पंचायत के ढीमरढाना गांव का प्राथमिक स्कूल हुआ है। इसी का नतीजा है कि अब यह स्कूल बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। स्कूल की दुर्दशा के लिए शिक्षा विभाग और पुलिस दोनों संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। दरअसल यहां गांव का रहने वाला मानसिंह केवट आए दिन स्कूल में उत्पात मचाता है। इसतंग आकर लोग बच्चों को स्कूल भेजने से डरने लगे हैं। इसके बाद यहां पदस्थ शिक्षिका भावना मैकलिन एवं नेत्रहीन शिक्षिका सरस्वती धुर्वे ने स्थानीय थाने से लेकर विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले की शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

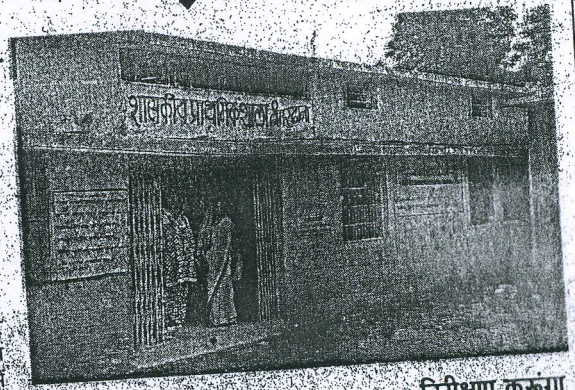



## पंच-सरपंच ने पल्ला झाड़ा

ग्राम पंच गीता केवट का तो जवाब था कि उनके बच्चे निजी स्कूल में पढ़ते हैं, इसलिए उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सरपंच गयाप्रसाद ने बताया कि चुनाव के समय से उनका विरोध है, इसलिए वह वहां नहीं गए। स्कूल शिक्षिका ने पुलिस में शिकायत की है, अब पुलिस को काम करना है।

## निरीक्षण करूंगा

"आपके द्वारा जानकारी मिली है। मैं जनशिक्षक के साथ स्कूल का निरीक्षण करूंगा। इसके बाद ही कुछ कह पाना संभव है।

-विनोद केरकेट्टा, बीआरसी